प्रेस विज्ञप्ति

रायपुर, दिनांक 13 फरवरी, 2014

- शासकीय बृजलाल वर्मा महाविद्यालय, पलारी (जिला-बलौदा बाजार) के विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया

- विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल एवं मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से भेंट की

-शासकीय बृजलाल वर्मा महाविद्यालय, पलारी (जिला-बलौदा बाजार) के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने आज विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया। कार्यवाही अवलोकन पश्चात् इन्होंने विधानसभा भवन स्थित समिति कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल एवं मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री देवेन्द्र वर्मा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि - विधानसभा प्रदेश की एक सर्वोच्च जनप्रतिनिधि सभा तो है ही, यह विधि निर्माण संस्था होने के अतिरिक्त कार्यपालिका के कार्यों पर सतत् निगरानी का कार्य भी करती है। प्रश्नों के माध्यम से कोई भी मान. सदस्य किसी भी विषय पर शासन से महत्वपूर्ण जानकारी मांग सकता है। प्रश्नकाल शासन पर नियंत्रण का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इस काल में मंत्री पूरी जवाब देही से अपने विभाग के कार्यों की जानकारी देते हैं तथा पक्ष एवं विपक्ष के स दस्य आपसी मतभेदों को भुलाकर प्रदेश के विकास के लिए सदन में सार्थक बहस करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने विद्यार्थियों को अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि - छात्र काल में उन्होंने भी संसद की कार्यवाही देखी थी, संसद की

कार्यवाही देखने के बाद उन्होंने संसद भवन से संसद की तस्वीर खरीदकर अपने घर पर रखी तब उन्होंने ठाना था कि एक दिन वे भी संसद एवं विधानसभा पहुंचेंगे, उन्होंने संसद एवं विधानसभा पहुंचने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की एवं निरन्तर प्रयास से वे आज प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी इच्छाशक्ति के क्रियान्वयन के लिए कार्य योजना बनायें। जुनून एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे भी विधानसभा की कार्यवाही देखने के बाद प्रदेश की सर्वोच्च पंचायत से परिचित हों एवं अपने अंदर नेतृत्व क्षमता जागृत करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को विधायक बनने की इच्छा तभी जागृत होगी जब वे विधानसभा की कार्यवाही देखने आयेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि - छत्तीसगढ़ विधानसभा में हर विभाग के बजट पर चर्चा होती है एवं सदन से बजट की मंजूरी के बाद ही बजट पारित माना जाता है।

अंत में महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री कमलेश दुबे ने मान. विधानसभा अध्यक्ष एवं मान. मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।